साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 118 | जौनपुर, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

सतेंद्र जैन की याचिका पर दिल्ली की कोर्ट ने बांसुरी स्वराज को भेजा मानहानि का नोटिस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को कोर्ट से बडा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी किया है। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज को आपराधिक मानहानि का नोटिस जारी किया है। बांसुरी के खिलाफ यह याचिका आम आदमी पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री और विधायक सत्येंद्र जैन द्वारा दायर की गई थी जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह नोटिस जारी किया है। जैन ने आरोप लगाया है कि बांसुरी स्वराज ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टीवी इंटरव्यू के उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस इंटरव्यू को लाखों लोगों ने देखा था। जिसके बाद कोर्ट ने ये कार्रवाई की है। अदालत ने स्वराज को 20 दिसंबर को पेश होने के लिए बुलाया है। बांसुरी स्वराज व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से पेश हो सकती हैं।

भदोही में महिला दुकानदार से अश्लील हरकत करने के आरोप में मामला दर्ज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भदोही जिले में एक महिला दुकानदार को अर्धनग्न कर उसके साथ अश्लील हरकत करने और मारपीट करने के आरोप में एक नामजद व्यक्ति समेत कई अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि 29 नवंबर की इस घटना के संबंध में शनिवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि घटना सुरयावा थाना क्षेत्र के नेता नगर की है जब डेयरी संचालक महिला दुकान पर अकेली बैठी थी तभी शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय वहां आया और घी मांगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि महिला ने घी नहीं होने की बात कही जिसके बाद वह चला गया। उन्होंने बताया कि महिला का आरोप है कि थोड़ी देर बाद शैलेन्द्र कुछ अन्य लोगों के साथ आया और सभी ने दुकान में घुसकर उसके कपड़े फाड़ दिए।

महाराष्ट्र के लातूर में 12 लाख रुपये की चंदन की लकड़ी बरामद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में तस्करी के लिए ले जाई जा रही 12.08 लाख रुपये मूल्य की 152 किलोग्राम चंदन की लकड़ी बरामद की गई है और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की एक टीम ने यहां राजमार्ग पर औसा के पास एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) को शनिवार रात रोका। इसमें बताया गया कि वाहन की जांच करने पर पुलिस को उसमें से 12.08 लाख रुपये मूल्य की चंदन की लकड़ियां मिलीं, जिससे यह पता चलता इसकी तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बार्शी और औसा के रहने वाले 30 और 50 साल के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उसने बताया कि एक अन्य आरोपी फरार हो गया है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कानून के संबंधित है।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र की हंगामेदार शुरुआत

हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार विपक्ष ने डाला कार्यवाही में व्यवधान : सीएम योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों की आज हंगामेदार शुरुआत हुई। विधान सभा और विधान परिषद के सत्र की शुरुआत से पहले ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने जिस तरह विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की उससे ही अंदाजा हो गया था कि यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है। हम आपको बता दें कि सत्र शुरू होने से पहले सपा विधायक और विधान पार्षदों ने संभल समेत कई मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथ में लेकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के निकट सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। सपा नेताओं ने किसानों की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा पूरा न होने, बेरोजगारी, पेपर लीक और पुलिस द्वारा किए जा रहे "अत्याचार" जैसे तमाम मुद्दे उठाये। सपा विधायकों ने संभल हिंसा में मारे गये लोगों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारेबाजी की। सपा विधायक और विधान पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन मुद्दों की ओर ध्यान नहीं दे रही है और आम जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। इससे पहले सपा के विधान पार्षद आशुतोष सिन्हा महंगाई के विरोध में साइकिल चलाते हुये सदन पहुंचे। वहीं विधानसभा में भी सपा विधायकों का हंगामा जारी रहा। सपा विधायक वेल में धरने पर बैठ गये। विधानसभा अध्यक्ष उन्हें समझाते रहे लेकिन जब सदस्य नहीं माने तो उन्होंने कहा कि तीन साल के उनके कार्यकाल में पहली बार सदन को स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि आप लोगों के पास पूछने के लिए सवाल नहीं हैं, इसलिए आप लोग हंगामा कर रहे है। आप जो चाहें हम हर मुद्दा सुनने के लिए तैयार हैं। हम आपको यह भी बता दें कि सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन में भाजपा विधानमंडल दल की बैठक हुई।

भाजपा झुग्गी में रहने वालों को 'अछूत' मानती है : आतिशी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा झुग्गी वालों के साथ मजाक कर रही है। भाजपा झुग्गी वालों को अछूत मानती है। भाजपा वाले पहले झुग्गी में जाते हैं और बाद में उन्हीं झुग्गियों पर बुलडोजर चलवाते हैं। भाजपा वाले झुग्गियों में जाकर लोगों के नाम और नंबर लेकर आते हैं और उनका वोट कटवा देते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है कि कल पीएम मोदी पूसा इंस्टीट्यूट के दौरे पर गए थे। इस दौरान केंद्र सरकार ने रास्ते में पड़ने वाली झुग्गियों को कपड़े से छिपा दिया था। इससे पहले जी–20 के दौरान भी बीजेपी ने झुग्गियों को ढक दिया था और बाहर पुलिस तैनात कराई थी। उन्होंने झुग्गी वालों को सचेत करते हुए कहा कि वो बीजेपी से सावधान रहें। बीजेपी वाले आपको कपड़े और पैसे देंगे। लेकिन, आपका जीवन इससे नहीं चलेगा। आपका जीवन अरविंद केजरीवाल की फ्री बिजली–पानी, मोहल्ला क्लीनिक, सरकारी स्कूलों में अच्छी पढ़ाई, महिलाओं को मिलने वाले 2,100 रुपए से चलेगा। भाजपा वाले जिस झुग्गी बस्तियों में जा रहे हैं, वहां के लोग सावधान रहें क्योंकि, इससे पहले सुंदर नगरी की झुग्गी में बीजेपी नेता गए थे। वहां रुके थे। उनके साथ खाना खाया था। बच्चों के साथ गेम खेला। उसके तीन महीने बाद कोर्ट से ऑर्डर लेकर उस झुग्गी को तुड़वा दिया। उसके बाद बीजेपी वाले शाहदरा की अम्बेडकर झुग्गियों में गए, उनके नंबर लिए और उसके बाद उनके वोट कटवा दिए। आतिशी ने झुग्गी वालों को सर्तक करते हुए कहा है कि मैं झुग्गियों में रहने वाले भाई–बहनों से अपील करती हूं कि उनके बहकावे में ना आए। कल भी बीजेपी वालों ने एक झुग्गी बस्ती में सूट सलवार दिए। कुछ दिन बाद वह पैसे भी बांटेंगे।

मध्य प्रदेश बना 'घोटाला प्रदेश' : कमलनाथ

भोपाल,,(एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य की भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि मध्य प्रदेश घ्घोटाला प्रदेशष बन गया है। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू हुआ। कांग्रेस सदन में सरकार को घेरने की तैयारी में है और तमाम नेताओं का रुख आक्रामक है। विधानसभा के सत्र में हिस्सा लेने के लिए भोपाल पहुंचे कमलनाथ ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि पूरा देश देख रहा है कि मध्य प्रदेश घ्घोटाला प्रदेशष बन गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य में घोटाला एक सिस्टम है। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां घोटाला न हो। नौजवानों के साथ घोटाला, किसानों के साथ घोटाला, व्यापारियों के साथ घोटाला – अब तो यह प्रदेश घ्घोटाला प्रदेशष बन गया है। मोहन यादव सरकार के एक साल पूरे होने के बाद विधानसभा का यह पहला सत्र है और कांग्रेस बीते एक साल के सरकार के कामकाज पर लगातार सवाल उठा रही है। राज्य में किसान को खाद न मिलने के आरोप लगाए जा रहे हैं। राज्य में निवेश लाने के लिए चल रहे प्रयासों को महज इवेंट बताकर कांग्रेस हमलावर है। इसके साथ ही राज्य की गड़बड़ाती अर्थव्यवस्था को भी बड़ा मुददा बनाया जा रहा है। कांग्रेस अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग पहले ही कर चुकी है। राज्य विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू हुआ। यह सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। पहले ही दिन कांग्रेस ने प्रदेश में व्याप्त समस्याओं को लेकर विधानसभा का घेराव किया। इस घेराव के जरिए कांग्रेस शक्ति प्रदर्शन कर रही है। इसे देखते हुए यह तकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार बने हुए हैं।

फडणवीस परभणी हिंसा और सरपंच की हत्या के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमत

नागपुर,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह हाल ही में परभणी में हुई हिंसा और बीड में एक सरपंच की हत्या के मुद्दे पर राज्य विधानसभा में चर्चा के लिए तैयार हैं। राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन निचले सदन में फडणवीस ने दोनों घटनाओं को गंभीर बताया। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति के सत्ता में आने के बाद ही ये दोनों घटनाएं सामने आई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मुद्दों पर चर्चा करने और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर बयान देने के लिए तैयार हैं। मध्य महाराष्ट्र के परभणी शहर में 10 दिसंबर की शाम को परभणी रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा के पास कांच के सांचे के भीतर रखी गयी संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा भड़क गई थी। वहीं बीड में, मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर हत्या कर दी गई। सोमवार को कांग्रेस नेता नाना पटोले ने विधानसभा में संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने को लेकर परभणी में हुई हिंसा और पिछले सप्ताह बीड जिले में एक सरपंच की हत्या का मुद्दा उठाया और सरकार से इस पर जवाब मांगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन में दोनों घटनाओं पर चर्चा करने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि विपक्ष इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुझाव देने में सहयोग करेगा। हमारी सरकार संविधान के अनुसार काम करती है और इसका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परभणी में (संविधान की प्रतिकृति के) अपमान में संलिप्त एक मानसिक तौर पर बीमार व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।" फडणवीस ने सदन में नए मंत्रियों का परिचय भी कराया। सत्र के पहले दिन, सरकार ने आठ विधेयक पुनरू पेश किए, जिनमें से एक कुछ जिला परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अध्यक्ष तथा कुछ पंचायत समितियों के उपाध्यक्ष के पदों पर चुनाव स्थगित करने के लिए संशोधन था। विधानसभा ने महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल एसएम कृष्णा को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका 10 दिसंबर को निधन हो गया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री का पद संभाल चुके कृष्णा 2004 से 2008 तक महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। सदन ने पूर्व विधायक दिनकरराव जाधव को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल ही में निधन हुआ है।

एक देश एक चुनाव को लेकर 129वां संविधान संशोधन बिल हो सकता है पेश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को यानी 17 दिसंबर को एक देश एक चुनाव को लेकर 129वां संविधान संशोधन बिल पेश हो सकता है। विस्तृत चर्चा और सहमति बनाने के लिए बिल को जेपीसी में भेजा

जाएगा। कल ही जेपीसी का गठन हो जाएगा जिसमें बीजेपी और कांग्रेस समेत तमाम दलों के सदस्यों के नाम का ऐलान भी होगा। इससे पहले ये बिल लोकसभा में 16 दिसंबर को पेश होने वाला था, लेकिन फिर संशोधित कार्यसूची से इसे हटा दिया गया था। पीएम मोदी की कैबिनेट ने वन नेशनल वन इलेक्शन बिल को 12 दिसंबर को मंजूरी दी थी। इस विधेयक में 2034 के बाद एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव है।

जब संविधान लागू हुआ तब आरएसएस ने किया था विरोध, ऐसे लोग आज हमें पाठ पढ़ा रहे हैं : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान करते हैं, वो हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष खरगे ने अपने संबोधन में कहा, 1949 में आरएसएस नेताओं ने भारत के संविधान का विरोध किया क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं था। न तो उन्होंने संविधान को स्वीकार किया और न ही तिरंगे को स्वीकार किया। 26 जनवरी 2002 को पहली बार मजबूरी में आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराया गया था क्योंकि अदालत का आदेश था। उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हैं, संविधान का अपमान करते हैं, जिस दिन संविधान लागू हुआ उस दिन इन्होंने महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर का पुतला जलाया, अब वो लोग हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। जो देश के लिए लड़े नहीं, वो आजादी और संविधान का महत्व क्या समझेंगे। संविधान सभा की बहसों से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के तत्कालीन नेता संविधान के खिलाफ थे। जो लोग झंडे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करते थे, वे आज हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। ऐसे लोग अब देश

के लिए जान देने वालों के खिलाफ बोलते हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने बांग्लादेश की आजादी का जिक्र करते हुए इंदिरा गांधी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज 16 दिसंबर है, जो बांग्लादेश का लिबरेशन डे है। हमारी बहादुर नेता इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश बनाया था और देश की शान पूरी दुनिया में बढ़ाई थी। आयरन लेडी रही इंदिरा गांधी ने ऐसा करके दिखा दिया था कि हमारे देश के नजदीक जो भी आएगा, उसकी खैर नहीं। लेकिन आज बांग्लादेश के जैसे हालात हैं, सरकार के लोग उसे आंख खोल कर देखें और वहां के अल्पसंख्यकों को बचाने का प्रयास करें। संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में बोलते हुए खरगे ने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी का नाम लेकर निर्मला सीतारमण और भाजपा नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा, षवित्त मंत्री निर्मला सीतारमण काफी पढ़ी हैं, अर्थशास्त्र की अच्छी जानकार हैं क्योंकि वह जेएनयू से पढ़ी हैं। यहां से पढ़कर कई लोग प्रोग्रेसिव रहे और देश के विकास में अहम योगदान दिया है। मुझे उन्हें बताना है कि मुझे भी पढ़ना आता है। मैंने नगरपालिका के स्कूल में पढ़ाई की है, वहीं उन्होंने (निर्मला सीतारमण) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाई की है, यह निश्चित है।

संयुक्त किसान मोर्चा पर जिलों में राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन करेगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने सभी किसान संगठनों से तत्काल चर्चा करने, पंजाब सीमा पर किसानों के संघर्ष पर दमन समाप्त करने, ग्रेटर नोएडा में जेल में बंद किसान नेताओं को रिहा करने, 'कृषि विपणन पर नई राष्ट्रीय नीति की रूपरेखा' को तत्काल वापस लेने की मांगों को लेकर देश भर में 23 दिसंबर को जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन करने की अपील की है। राष्ट्रीय समन्वय समिति की 14 दिसंबर को आयोजित एक बैठक में 21 राज्यों के 44 सदस्यों ने भाग लिया और पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। बैठक में पिछले 19 दिन से पंजाब हरियाणा की सीमा पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती स्वास्थ्य पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इस बैठक में चेतावनी दी गई है कि अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिम्मेदार होंगे। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी से शासन के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने और संघर्ष कर रहे सभी किसान संगठनों और मंचों से तत्काल चर्चा करने की मांग की गई। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी किसानों से विचार–विमर्श करने के लिए कहा है। एसकेएम ने एनडीए–3 सरकार के सत्ता में आने के ठीक बाद 16, 17, 18 जुलाई 2024 को प्रधानमंत्री, संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं और संसद के सभी सदस्यों को एक ज्ञापन सौंपा था। किसानों ने 9 अगस्त को देश भर में कृषि पर कॉर्पोरेट नियंत्रण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन–किया था। एसकेएम ने 26 नवंबर को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और खेत मजदूर संगठनों के मंच के साथ मिलकर 500 से अधिक जिलों में बड़े पैमाने पर मजदूर–किसान विरोध–प्रदर्शन किए, जिसमें लगभग 10 लाख लोगों ने भाग लिया और जिला कलेक्टरों के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। इस बैठक में प्रधानमंत्री से एमएसपी, कर्ज माफी, बिजली के निजीकरण, एलएआरआर अधिनियम 2013 के कार्यान्वयन सहित किसानों की अन्य जायज और लंबित मांगों को स्वीकार करने और कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी 25 नवंबर की नई कृषि बाजार नीति को तुरंत वापस लेने का आग्रह किया गया है।

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र, श्रीलंका की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्र लिख कर श्रीलंका के जेल में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई का मुद्दा उठाया है। कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में लिखा, ष्हम श्रीलंकाई राष्ट्रपति की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह गलती से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पार करने वाले भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठाएं और उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित करें। राहुल गांधी ने केंद्र से मछुआरों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने और जब्त की गई मछली पकड़ने वाली नौकाओं की रिहाई

सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। ताकि कोलंबो के साथ लंबित मुद्दों को हल करने के लिए संयुक्त कार्य समूह जैसी अंतर–सरकारी व्यवस्थाओं की नियमित बैठक सुनिश्चित हो सकें। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके 15 से 17 दिसंबर तक तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। सितंबर में पदभार ग्रहण करने के बाद यह दिसानायके की पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। रविवार को नई दिल्ली पहुंचने पर सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस बीच राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके का भारत की राजकीय यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की अगवानी की। राष्ट्रपति दिसानायके ने संयुक्त रक्षा सेवाओं द्वारा दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने एक–दूसरे को अपने–अपने मंत्रियों, राजनयिकों और अधिकारियों से मिलवाया। रविवार को भारत पहुंचने के बाद राष्ट्रपति दिसानायके ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की थी।

संपादकीय

जीवनदायी उपचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर कहते हैं कि बुरा लगता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख लोगों की मौत हुई । हर साल कोई डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले ज्यादातर युवा व परिवार के कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से परिवार गरीबी के दलदल में जा धंसता है। यदि दुर्घटना होने पर घायलों को तुरंत व मुफ्त उपचार मिले तो लाखों जानें बचायी जा सकती हैं। इस संकट के मद्देनजर ही सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का शुरुआती गोल्डन ऑवर में निरूशुल्क उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना के बाद सात दिनों के भीतर घायल को डेढ़ लाख रुपये तक उपचार मुफ्त मिल सकेगा। हरियाणा पुलिस ने भी इस योजना की शुरुआत कर दी है। प्रदेश की सड़कों को नागरिकों के लिये सुरक्षित बनाने की पहल को विस्तार दिया जा रहा है। दरअसल, यह पायलेट प्रोजेक्ट नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा स्थानीय पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुबंधित अस्पतालों के साथ तालमेल करते हुए संयुक्त रूप से लागू किया जाएगा। इसमें अस्पताल प्रबंधन सॉफ्टवेयर में घायल व्यक्ति का डेटा अपलोड करके संबंधित पुलिस थाने को भेजेगा। थाना छह घंटे के भीतर दुर्घटना की पुष्टि करेगा, फिर घायल को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का स्वागत किया जाना चाहिए। यदि समय रहते घायलों को उचित व मुफ्त उपचार मिल जाए तो हर साल हजारों जानें बचायी जा सकती हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि अस्पतालों व पुलिस में बेहतर तालमेल स्थापित हो। निश्चित रूप से घायलों के प्रति संवेदनशील व्यवहार व औपचारिकताओं के बिना तुरंत उपचार जीवन रक्षक ही साबित होगा। उन बाधाओं को दूर करने की भी जरूरत है जिसकी वजह से लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इसके अलावा उन बिंदुओं पर विस्तार से काम करने की जरूरत है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आती है। जरूरी है कि जन–जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को दुर्घटनाओं को टालने के लिये सतर्क रहने को प्रेरित किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटना उन्मुख क्षेत्र स्थित हैं। इंजीनियरिंग विभाग की मदद से उन तकनीकी खामियों को दूर किया जाए जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। इसी तरह स्कूली बसों की सुरक्षा की भी नियमित जांच होनी चाहिए। इस दिशा में हरियाणा पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए 19 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की है और खामी पाये जाने पर करीब साढ़े चार हजार से अधिक बसों के चालान भी किए हैं। इसी तरह ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों का भी चालान किया जाना चाहिए, ताकि दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। निस्संदेह, सरकार, पुलिस–प्रशासन तथा नागरिकों की जागरूकता से ही दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ?

संतोष

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे–कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है। राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक–दो किस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है। हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा–गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है। सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं ? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है ?

जटिल हालात में संतुलित कूटनीतिक पहल

ज्योति

पिछले सप्ताह दिल्ली में विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा बांग्लादेश की अपनी यात्रा का सार नपे–तुले शब्दों में बताना, यथार्थवादी मध्यमार्ग कूटनीति की ओर भारत की स्वागतयोग्य वापसी दर्शाता है, और इसी वजह से भारत की विदेश नीति की ख्याति रही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मिसरी ने शेख हसीना पर उठे सवाल का जवाब पूरी स्पष्टता के साथ दिया। मुखातिब भले ही वे अपने सांसदों से थे, लेकिन बिना शक,उनके इस बयान को बांग्लादेश ने भी उतनी ही सावधानी से सुना और देखा होगा। परिणाम एक बढ़िया संतुलन वाला रहा, एक ऐसे मित्र का चतुराई पूर्ण बचाव, जिसके कार्य–कलाप से न तो आप अतीत में पूर्ण रूपेण सहमत थे और न ही वर्तमान परिस्थितियों में, लेकिन आप उससे पूरी तरह किनारा भी नहीं कर सकते। मिसरी ने बताया कि हसीना द्वारा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, मुख्य सलाहकार मुहम्मद युनूस के अलावा वहां के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की नाकामी को लेकर हाल ही में जो अति आलोचनात्मक टिप्पणियां की गई थीं, वे उन्होंने निजी संचार उपकरण के माध्यम से की हैंदृ जैसे कि आईपैड या कंप्यूटर इत्यादि दृ किसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता से पाए नंबर द्वारा। मिसरी ने एक बार भी यह नहीं कहा कि भारत हसीना की बातों की ताईद करता है या नहीं। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध किसी 'एक राजनीतिक दल विशेष' पर निर्भर न होकर, उसके केंद्र में बांग्लादेश के नागरिक हैं। तो, आइए हम दोनों स्थूल पंक्तियों के बीच की बारीकी को समझें। मिसरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत हसीना के साथ संबंधों वाले पुराने समय से आगे बढ़ने और नए बांग्लादेश के साथ सामान्य स्थिति बहाल करने को तैयार है दृ आखिरकार, ऐसा भी नहीं है कि भारत ने विगत में अपने इस पूर्वी पड़ोस की कम–दोस्ताना सरकारों से व्यावहारिक रिश्ता न निभाया हो। इसके बारे जानना हो तो इतिहास के प्रति रुचि रखने वाले और पुराने राजदूत रोनेन सेन से उस घड़ी के बारे में पूछिए, जब 1975 में एक रोज आधी रात के बाद या अलसुबह (जिसे आप अपनी घड़ी के हिसाब से कुछ भी कहें) हसीना के पिता मुजीब–उर–रहमान की हत्या कर दी गई थी,और अगर यह हत्या नहीं थी, तो इतनी क्रूर घटना होना क्योंकर बदा था। इसी प्रकार वयोवृद्ध किंतु तेज याद्दाश्त के धनी एक अन्य राजनयिक देब मुखर्जी से पूछिए कि हसीना और खालिदा जिया के साथ उनकी वार्ताएं कैसी रहीं और दशकों तक बांग्लादेश को चलाने वाली ये दो महिलाएं इतनी शिद्दत से एक–दूसरे से इतनी नफरत क्यों करती हैं और क्यों 4 अगस्त की 'क्रांति' या 'पराजय' –यह आप पर निर्भर है कि इसे कैसे लें दृ अपरिहार्य थी। चलिए आगे बढ़ते हैं। दिल्ली में मिसरी कह तो भारतीय सांसदों को रहे थे किंतु सुना बांग्लादेश को रहे थे। यह एक बदसूरत प्रकरण रहा, हमारे लिए भी। इस बारे में मिसरी कभी नहीं कहेंगे, न ही कोई और सेवारत भारतीय राजनयिक, लेकिन तथ्य यही है कि इस जनवरी में जब शेख हसीना ने अपना आखिरी चुनाव जीता और उससे पहले जनवरी 2019 में चुनावी विजय पाई, भारत उनके साथ खड़ा रहा। ऐसा करके भारत ने कूटनीतिक तौर पर बमुश्किल अपनी नाक बचाए रखी। भारत ने बार–बार हसीना को आगाह किया था कि चुनाव प्रक्रिया में विपक्षी दलों की सहभागिता बनाई जाए, खालिदा जिया और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के बाकी लोगों से बात करें, बांग्लादेश एक–दलीय शासन वाला लोकतंत्र नहीं है। भारत की यह सलाह जितनी मुजीब की बेटी के लिए थी उतनी ही बांग्लादेश के लोगों को भी, जिनकी वफादारियां अवामी लीग और बीएनपी के बीच बंटी हुई हैं। इसमें बांग्लादेश के साथ लगभग 4000 किमी. लंबी सीमा साझी रखने वाले हमारे उत्तर–पूर्वी राज्यों की सुरक्षा और स्थायित्व का आयाम भी जुड़ा था। बांग्लादेश के साथ भारत के नए संबंध उतने ही दिलचस्प होने वाले हैं जितना कि अफगान तालिबान के साथ बन रहे हैं। अभी कुछ हफ्ते पहले ही, वरिष्ठ भारतीय राजनयिक जेपी सिंह तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब (मुल्ला उमर का बेटा) से मिलने काबुल गए थे। इस मुलाकात ने पास पड़ोस, खासकर पाकिस्तान, में खतरे की घंटी बजा दी है। कुछ अमेरिकियों को हैरानी हुई कि क्या भारत उनके कूटनीतिक हितों के विपरीत लोगों से दोस्ती करने जा रहा है– हालांकि बहुत संभव है कि भारत के अलावा अमेरिका भी अंदरखाते इस पर सहमत हो। सनद रहे कि दो साल पहले अमेरिकियों के काबुल से भाग खड़े होने के बाद से तालिबान ने अमेरिकी दूतावास की एक ईंट तक नहीं छुई, निश्चित रूप से, बड़े खेल का एक नया दौर शुरू होने का इंतजार सभी पक्ष कर रहे हैं। इतना तय है कि रूस ने प्रतिबंधित संस्थाओं की अपनी सूची से इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान को हटाकर उस पर अहसान किया है। भारत के इस परम–यथार्थवादी रुख और वास्तव में क्या चल रहा है, शायद इस पर आपको हैरानी हो। आप खुद से पूछ सकते हैं रू क्या यह वास्तव में सच है कि भारत एक ऐसी सरकार के साथ दोस्ती करना चाह रहा है जिसने महिलाओं के गाने–बजाने या लड़कियों के कक्षा छह से आगे की स्कूली पढ़ाई पर प्रतिबंध लगा रखा है और अधिकांश अन्य मानवाधिकारों को भी ताक पर रखा हुआ है? तथ्य यह है कि भारत उस किताब के पन्ने पर अमल कर रहा है जिसे पढ़कर बड़ी शक्तियां कूटनीतिक खेल चलाती रही और जब भी दिल किया, अध्याय–दर–अध्याय फाड़ डाले। इसका सीधा उत्तर यह है कि अंततः भारत दोनों तरह से खेलना सीख रहा है। क्रूर तालिबान शासन का समर्थन इसलिए क्योंकि इससे भारत की उत्तरी सीमा

को सुरक्षित करने में मदद मिलती है दृ भले ही अफगानिस्तान की साझी सीमा रेखा पाकिस्तान के साथ है न कि भारत के साथ दृ और इसलिए भी कि भारत को उम्मीद है कि भविष्य में पाकिस्तान पर दबाव बनाने को, उसके उत्तरी सीमांत इलाके में भारतीय एजेंटों की कार्रवाइयां चलाने में दोस्ताना तालिबान सरकार मददगार हो सकती है। जैसे–जैसे साल का अंत हो रहा है, तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार की विदेश नीति में दिलचस्प बदलाव यह हुआ है कि अब इसका न तो कोई खास दोस्त है न ही दुश्मन (निश्चित रूप से पाकिस्तान अपवाद है)। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर झगड़ा खत्म करना और चीनियों के साथ समझौता करने का निर्णय पूरी तरह यह समझकर लिया है कि बहुत ऊंचाई पर सैन्य गतिरोध कायम रखने से कहीं अधिक अहम है द्विपक्षीय व्यापार में असंतुलन के बढ़ते अंतर पर ध्यान केंद्रित करना। कौन जाने, रूसियों ने इसमें मदद की हो। गत सप्ताह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मॉस्को यात्रा इस परम–यथार्थवादी विदेश नीति का उतना ही अंग है जितना कि आगामी ट्रम्प प्रशासन के साथ समझौता करने का निर्णय, चाहे किसी भी तरह से हो। पिछली बार जब ट्रंप सत्ता में थे, तो कुछ मतभेद– अमेरिकी चिकन–लैग, चिकित्सा उपकरण और सुपर–महंगी हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर भारत द्वारा उच्च आयात शुल्क लगाने से बने जैसे छोटे–मोटे विवाद दृ ने रिश्तों में खटास भर दी थी। इस बार, भारत इतने सतही और तुच्छ मुद्दों को शायद संबंधों के आड़े आना देना नहीं चाहेगा। 2024 का सबक यह भी है कि पास में शक्ति होना काफी नहीं है,उस ताकत का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यूनुस के बांग्लादेश से लेकर हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के राज कपूर के खानदान से मिलने तक, संदेश सीधा सा है। अगर आप लंबे समय टिके रहेंगे तभी आप गिने जाएंगे।

पापा कहते हैं कि मुझे उन्हें गर्व महसूस कराना चाहिए.

संतोष

वह बैंगनी चूहा है, पिताजी ने आत्मविश्वास से कहा। सावधान रहो, काट सकता है। पापा, वह चिंटू गिलहरी जैसा दिखता है जो सुबह हमारी रोटियाँ खाता है, बस बड़ा है। नहीं बेटा, यह चूहा है। दूर रहो। यह लोगों पर पेशाब करता है। कौन जानता है कि उस चीज से कौन–सी बीमारियाँ आ सकती हैं... कोविड, चेचक और ऐसी ही दूसरी बीमारियाँ। उसकी माँ ने उसे और भी जोश से जकड़ लिया और पार्टी कुछ घबराहट के साथ जंगल के रास्ते से निकल गई। मालाबार की विशाल गिलहरी और अधिक जामुन की तलाश में आगे बढ़ गई। चित्रा और मैंने एक–दूसरे को अविश्वसनीय रूप से देखा। उस दोपहर बाद सफारी ट्रेल पर, पापा ने हरी–भरी झाड़ियों के बीच से आती धूप को देखा और कहा, इस देश को विकास की जरूरत है। कल्पना कीजिए कि अगर यहाँ रहते तो कितने और लोग इस दृश्य का आनंद ले पाते? लेकिन पापा, तब तो कोई झाड़ी नहीं होती, है न? अपनी आँखों में चमक के साथ, पापा ने कहा, हम हमेशा झाड़ियाँ उगा सकते हैं, है न? जैसे अरशद हर रविवार को हमारे बगीचे में आता है? माँ ने कहा, ऊँची आवाज में बात करने से जानवर आ सकते हैं। मम्मी, हम इसीलिए तो आए हैं, है न? खाने की मेज पर बैठे बेटे ने झिझकते हुए पूछा, अंकल, क्या मैं आपकी दूरबीन से देख सकता हूँ? जरूर, मैंने कहा, लेकिन सुबह जब हम फिर से ट्रेल पर निकलेंगे। अब बहुत अंधेरा हो गया है। ओह३पापा कहते हैं कि हम सुबह निकल रहे हैं क्योंकि हमें महल देखना है। यह बहुत बुरा है, मुझे लगा कि आपका परिवार एक दिन और रुक सकता है। यहाँ बहुत सारे प्यारे पक्षी हैं। और पौधे और पेड़ जो अपने रंगों और आकृतियों से आपको रोमांचित करते हैं। । हम शहर में गौरैया और कबूतर देख सकते हैं, उन्होंने कहा। मैंने आह भरी। तो चलो। देखते हैं कि अब हमें क्या मिल सकता है। हम दोनों डाइनिंग रूम की ओर जाने वाले रास्ते पर सावधानी से आगे बढ़े। रास्ते से कुछ कदम दूर मुझे एक जानी–पहचानी आवाज सुनाई दी। मैंने अपने स्म्क टॉर्च से छतरी को ध्यान से देखा। कुछ नहीं, बस हल्के से पंखों की फड़फड़ाहट। मैंने सोचा, अभी भी उम्मीद है। हम एक घने जंगल में चले गए, जिसके आगे चाँद ने जंगल में एक शानदार जगह को रोशन कर दिया था। यह साल और नीलगिरी के पेड़ों से घिरा हुआ था जो एक सफेद चमक में चमक रहे थे। वहाँ ऊपर, ऊपर के नीचे, और तनों के ऊपर। टॉर्च की रोशनी पत्तियों और शाखाओं पर चमक रही थी। हल्की हवा चल रही थी। ज़्यादा हलचल नहीं थी, लेकिन यह एक सुंदर और शांत रात थी। नहीं, चाचा, मैं कुछ नहीं देख सकता। ठीक है। तुमने क्या देखा? ओह, चमकीले पंखों वाले कुछ पक्षी, जैसे मोर? बुरा नहीं है, और अभी एक मोर आराम कर रहा हो सकता है, लेकिन इस रोशनी में उन्हें देखना मुश्किल होगा। चलो अब साथ मिलकर करते हैं। मैंने उसका हाथ थाम लिया और अंधेरे में शाखाओं और पत्तियों के जाल पर प्रकाश की किरणें घुमाईं। बहुत इधर–उधर। और फिर हमने उसे देखा। एक चमक। एक बिंदु जो जल्दी ही जंगल के अंधेरे में दो नारंगी–लाल बिंदुओं में बदल गया। मैंने प्रकाश के बिंदुओं पर किरण को हल्के से घुमाया और हलचल हुई! बिंदु पार्श्व में चले गए और अब सीधे हमारे सामने थे। एक शानदार शिकारी पक्षी, एक शिकारी पक्षी। अब चलो सावधान हो जाओ बेटा। हम इसे बहुत ज्यादा परेशान नहीं करना चाहते। उन्हें भी आराम की जरूरत है। वह ब्राउन फिश उल्लू है। यह उस छोटी झील पर पूरे दिन अपना शिकार करता रहा, जिसके पास से हम आज शाम सफारी ट्रेल से लौटते हुए गुजरे थे। अब इसे सावधानी से आश्रय दिया गया है और कल के काम के दूसरे दिन के लिए आराम कर रहा है। हमने बात की, और मैंने धैर्यपूर्वक बेटे के उल्लू की आदतों, उसके प्रेम जीवन, भोजन और उसके शिकार के भाग्य के बारे में सवालों के जवाब देने की कोशिश की। धीमी आवाज में फुसफुसाते हुए। जुगनूओं का झुंड रोशनी में चमक उठा और फिर से गायब हो गया। बेटा हैरान होकर देखता रहा। और फिर मुझे उसे वापस ले जाना पड़ा, हम दोनों ही इस अद्भुत दुनिया को बीच में छोड़कर जाने के लिए अनिच्छुक थे। जब हम वापस डाइनिंग रूम में घुसे, तो मैंने देखा कि चित्रा पापा के साथ सक्रिय बातचीत कर रही थी। उसने मेरी तरफ आँख मारी और शायद देश की स्थिति पर एक व्यस्त चर्चा जारी रखी। माँ सोफे पर लेटी हुई थी, लगभग सो रही थी और अभी भी रेड वाइन का गिलास पकड़े हुए थी। सनी और मैंने इसे दिन भर के लिए टालने का फैसला किया। वह जंगल के साथ अपने मुठभेड़ों के बारे में घर पर अपने दोस्तों को संदेश भेजना चाहता था। या कम से कम अपने जीवन के प्यार पूर्णा को इसके बारे में बताना चाहता था। चित्रा ने थकान का बहाना करते हुए चर्चा को समाप्त किया, जल्दी से मेरा हाथ पकड़ा और हम अपने कमरे की सीढ़ियाँ चढ़ गए। मुझे तुम्हारी जगह लेनी थी।

बहाव का भ्रम

अंतेश

नर्मदा नदी के 'उल्टी बहने' की धारणा एक आम भ्रम है। वास्तव में, नर्मदा नदी उल्टी नहीं बहती है। इसके प्रवाह की दिशा को उल्टी बहने के रूप में देखा जाता है क्योंकि यह भारत की अन्य प्रमुख नदियों की तुलना में विपरीत दिशा में बहती है। अधिकांश भारतीय नदियां, जैसे गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र, पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती हैं, जबकि नर्मदा नदी पश्चिम की ओर बहते हुए अरब सागर में मिलती है। नर्मदा की वास्तविक स्थिति को समझने और उल्टी बहने के भ्रम से निजात पाने के लिए चीजों को समझना होगा। नर्मदा नदी मध्य प्रदेश के अमरकंटक पर्वत से निकलती है, जो कि पूर्वी भारत के ऊंचाई वाले स्थानों में स्थित है। वहां से यह पश्चिम दिशा की ओर बहती है और सतपुड़ा और विंध्याचल पर्वत शृंखलाओं के बीच अपना रास्ता बनाती है। यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुजरती है और अंत में गुजरात के खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में मिलती है। समुद्र तक का इसका रास्ता सामान्यतरू अन्य नदियों से अलग है। नर्मदा की इस पश्चिम दिशा में बहने की वजह भारतीय भूगोल में मौजूद विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतों की भौगोलिक संरचना है। यह पर्वत शृंखलाएं नर्मदा के प्रवाह को पश्चिम की ओर मोड़ देती हैं। इसलिए, जब लोग इसे अन्य नदियों से तुलना करते हैं, जो पूर्व की ओर बहती हैं, तो उन्हें यह 'उल्टी बहने' जैसा प्रतीत हो सकता है। वास्तव में ऐसा है नहीं। कुछ लोककथाओं और पौराणिक कथाओं में नर्मदा की महिमा को इस प्रकार बताया गया है कि वह अनूठी और शक्तिशाली है, जो अपने आप में अद्वितीय है। कुछ धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नर्मदा नदी गंगा की बहन मानी जाती है और इसलिए उसका प्रवाह गंगा के विपरीत दिशा में होता है। हालांकि, वैज्ञानिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से नर्मदा का पश्चिम की ओर बहना पूरी तरह से प्राकृतिक भूगोल पर आधारित है और इसमें किसी तरह की असामान्यता नहीं है। तो फिर नर्मदा नदी की भौगोलिक एवं अन्य परिस्थितियों को समझते हुए इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सकती है। नर्मदा नदी पर बांध आदि को लेकर चले आंदोलनों से इतर इस नदी की पौराणिक महत्ता है। प्रतिवर्ष इस नदी की महत्ता एवं अन्य धार्मिक संबंधों पर नदीतट पर अनेक आयोजन होते हैं। कुछ वृहद तो कुछ आंचलिक स्तर पर। पर इसके बहाव का संपूर्ण विवरण हमने समझ लिया। तो यह है हकीकत इस नदी के बहाव के संबंध में।

नश्वर है बुराई की चमक मगर अच्छाई स्थायी

डॉ. योगेन्द्र

आज समाज बड़ी तेजी से भौतिकता की ओर दौड़ रहा है और उसे बुराई की चकाचौंध में अच्छाई की महत्ता भी नहीं दिखती। बड़ों ने कहा है कि भले ही बुराई की चमक तुरंत आकर्षित कर लेती है, किंतु वह होती है क्षणभंगुर ही, जबकि अच्छाई की चमक स्थायी होती है। आज जाने क्यों, समाज थोथी चमक–दमक के पीछे पागल की तरह अंधी दौड़ में खुद को भी भूलता जा रहा है। धोखाधड़ी, बेईमानी और मक्कारी समाज में बढ़ी है और सज्जनता बहुत कम दिखाई देती है। आखिर, यह भौतिकता की अंधी दौड़ कहीं तो खत्म होगी ही न? बुराई पर अच्छाई की जीत तो युगों से होती आई है। बस, हमें स्वयं को तलाशना होगा। आज फिर एक ऐसी प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जिसने अंतर्मन को शक्ति दी है। वह बोधकथा आपको दे रहा हूं 'एक बार बुरी आत्माओं ने भगवान से शिकायत की कि उनके साथ इतना बुरा व्यवहार क्यों किया जाता है? अच्छी आत्माएं इतने शानदार महलों में रहती हैं और हम सब खंडहरों में? आखिर ये भेदभाव क्यों है, जबकि हम सब भी तो आप ही की संतानें हैं। भगवान ने उन्हें समझाया– 'मैंने तो सभी को एक जैसा ही बनाया है, पर तुम ही अपने कर्मों से बुरी आत्माएं बन गयी हों। सो वैसा ही तुम्हारा घर भी हो गया।' भगवान के समझाने पर भी बुरी आत्माएं भेदभाव किये जाने की शिकायत करती रहीं और उदास होकर बैठ गयी। इस पर भगवान ने कुछ देर सोचा और सभी अच्छी–बुरी आत्माओं को बुलाया और बोले, 'बुरी आत्माओं के अनुरोध पर मैंने एक निर्णय लिया है। आज से तुम लोगों को रहने के लिए मैंने जो भी महल या खंडहर दिए थे, वो सब नष्ट हो जायेंगे और अच्छी और बुरी आत्माएं अपने–अपने लिए दो अलग–अलग नगरों का निर्माण नए तरीके से स्वयं करेंगी।' तभी एक आत्मा बोली, 'लेकिन इस नगर निर्माण के लिए हमें ईंटें कहां से मिलेंगी?' भगवान बोले, 'जब पृथ्वी पर कोई इंसान अच्छा या बुरा कर्म करेगा, तो यहां पर उसके बदले में ईंटें तैयार हो जाएंगी। सभी ईंटें मजबूती में एक समान होंगी। अब ये तुम लोगों को तय करना है कि तुम अच्छे कार्यों से बनने वाली ईंटें लोगे या बुरे कार्यों से बनने वाली ईंटें लेना चाहोगे?!' बुरी आत्माओं ने सोचा, पृथ्वी पर बुराई करने वाले अधिक लोग हैं, इसलिए अगर उन्होंने बुरे कर्मों से बनने वाली ईंटें ले लीं, तो एक विशाल नगर का निर्माण जल्दी हो सकता है। बस, उन्होंने भगवान से बुरे कर्मों से बनने वाली ईंटें मांग लीं। दोनों नगरों का निर्माण एक साथ शुरू हुआ, पर कुछ ही दिनों में बुरी आत्माओं का नगर वहां रूप लेने लगा, क्योंकि उन्हें लगातार ईंटों के ढेर के ढेर मिलते

जा रहे थे और उससे उन्होंने एक शानदार महल बहुत जल्द बना भी लिया। वहीं अच्छी आत्माओं का निर्माण धीरे–धीरे चल रहा था। काफी दिन बीत जाने पर भी उनके नगर का केवल एक ही हिस्सा बन पाया था। कुछ दिन और ऐसे ही बीते। फिर एक दिन अचानक एक अजीब–सी घटना घटी। बुरी आत्माओं के नगर से ईंटें गायब होने लगीं३ दीवारों से, छतों से, इमारतों की नीवों से, हर जगह से ईंटें गायब होने लगीं और देखते ही देखते उनका पूरा नगर खंडहर का रूप लेने लगा। परेशान आत्माएं तुरंत भगवान के पास भागीं और पूछा, 'हे प्रभु! हमारे महल से अचानक ये ईंटें क्यों गायब होने लगीं? हमारा महल और नगर तो फिर से खंडहर बन गया है?' भगवान मुस्कुराये और बोले, 'ईंटें गायब होने लगीं! अच्छा! दरअसल जिन लोगों ने बुरे कर्म किए थे, अब वे उनका परिणाम भुगतने लगे हैं अर्थातद्ध अपने बुरे कर्मों से उबरने लगे हैं। उनके बुरे कर्म और उनसे उपजी बुराइयां नष्ट होने लगी हैं। सो उनकी बुराइयों से बनी ईंटें भी नष्ट होने लगी हैं। आखिर को जो आज बना है, वह कल नष्ट भी तो होगा ही। अब किस की आयु कितनी होगी, ये तो अलग बात है।' इस प्रकार बुरी आत्माओं ने अपना सिर पकड़ लिया और सिर झुका के वहां से चली गईं। सच यही है कि बुराई और उससे होने वाला लाभ बढ़ता तो बहुत तेजी से है, परंतु नष्ट भी उतनी ही तेजी से होता है। वहीं सच्चाई और अच्छाई से चलने वाले धीरे–धीरे आगे बढ़ते हैं, पर उनकी सफलता स्थायी होती है। इस बोधकथा से यही सीख मिलती है कि हमें सदैव सच्चाई की बुनियाद पर सफलता की इमारत खड़ी करनी चाहिए। झूठ और बुराई की बुनियाद पर तो बस खंडहर ही बनाये जा सकते हैं, जिनकी चमक क्षणभंगुर ही होगी।

चार वर्ष से पुलिस की गिरफ्त से फरार आरोपी को कोतवाली नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस ने चार साल से पुलिस की गिरफ्त से धोखाधडी के आरोप मे फरार चल रहे आरोपी गिरफ्तार किया।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी की पहचान महाराष्ट्र के सांगली निवासी कैलाश तंवर के रुप मे हुई।जो सर्राफा व्यवसाईयो से धोखाधड़ी करने का काम करता था।बताया कि आरोपी को कोतवाली नगर पुलिस ने जीजीआईसी रेलवे स्टेशन रोड से गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि आरोपी कोतवाली नगर क्षेत्र के चौक में रहकर सोने की गलाई का काम करता था। जो करोड़ों का सोने के साथ साथ 1 लाख 50 हजार रुपए नगद लेकर फरार हुआ था। जिसका मुकदमा वर्ष 2021 में कोतवाली नगर में दर्ज हुआ था।

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा विकासखण्ड बदलापुर के ग्राम पंचायत देनुआ के पंचायत भवन में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसीलदार, लेखपाल, पंचायत सहायक सहित संबंधित समस्त को निर्देशित किया कि उक्त ग्राम के समस्त किसानों का फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कर दिया जाये। उन्होने निर्देश दिया कि किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री के संबंध जागरूक करें। तहसीलदार बदलापुर को निर्देश दिया गया कि उक्त ग्राम पंचायत में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की स्थिति के सम्बन्ध में अवगत कराएं। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए तथा पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड ऑनलाइन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल भी कैंप लगाकर किसानों का ई केवाईसी कराया जाए तथा फार्मर रजिस्ट्री की जाए। इस अवसर पर तहसीलदार,खंड विकास अधिकारी,सहायक विकास अधिकारी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है : दीपक सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी कांग्रेसी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा लखनऊ स्थित विधानसभा का घेराव बुधवार को प्रस्तावित है। इसी को लेकर मंगलवारा को पूर्व विधायक नदीम जावेद के आवास पर कांग्रेस पार्टी की एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें पूर्व विधायक नदीम जावेद ने कहा कि 18 दिसम्बर को एक विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने अपने तमाम महत्वपूर्ण नेताओ को अलग –अलग जनपदों की जिम्मेदारी सौंपी है। अमेठी के एमएलसी दीपक सिंह को जौनपुर की जिम्मेदारी दी गयी है।

एमएलसी दीपक सिंह ने कहा कि जिन्हें सरकार छुपाने का काम करती है। अपराधों को दबाने का काम करती है। कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है। कांग्रेस पार्टी विधानसभा का इस लिए घेराव करने जा रही है। किस तरह से अपराध बढ़ रहे है। उस तरह से दर्शाए नही जा रहे है। वो आवाज उत्तर प्रदेश के लोगों तक पहुंचे। पहले लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में मीडिया की जिम्मेदारी जो थी कि जिले स्तर पर लोगों के द्वारा मार्च ,आंदोलन किया जाता था तो लोगों की आवाज उठाई जाती थी। जो कि सरकार अनलोकतांत्रिक है। आजाद भारत मे भाजपा सरकार बनने के बाद मुद्दों पर रोक लगाई जा रही है। मोमेंट पर रोक लगाई जा रही है। मार्च व यात्रा करने पर रोक लगाई जा रही है। आजाद भारत मे ऐसा कभी नही हुआ था। इंद्रिया गांधी से लेकर जवाहर लाल नेहरू ,राजीव गांधी सहित दर्जनो ऐसे उदाहरण है।काला झंडा दिखाने वालों के साथ भी चाय पिलाया जाता था और सम्मान दिया जाता था। हमारा संविधान व लोकतंत्र खतरे में है। हम लोग राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के साथ मिलकर पूरे हिंदुस्तान की आवाज उठाएंगे। 18 दिसम्बर को विधानसभा का घेराव करके इस अभियान की शुरुआत करेंगे। जो 2027 तक चलता रहेगा।वही पूर्व विधायक नदीम जावेद ने भी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार दमनकारी का काम कर रही है। तानाशाह हो गई है हम घेराव में भाग न ले सके इसलिए आज हमारे आवास पर हमें पुलिस द्वारा रोकने और समझने का प्रयास किया गया है फिर भी हम कल सुबह अपने जनपद के 9 विधानसभा के लोगों के साथ लखनऊ विधानसभा घेराव के लिए कूच करुंगा। फिलहाल पुलिस नाम हमारे घर को घेर रखा है अभी कोई गिरफ्तारी नहीं है।

कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर द्वारा सभी उपस्थित पेंशनर्स पदाधिकारियों, पेंशनरों एवं कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा 105 वर्ष आयु के पेंशनर श्री गोपीनाथ पाल जो पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए है को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम प्रदानकर तथा कम्बल भेटकर सम्मानित कर किया गया। इसके साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु के उपस्थित पेशनर्स राजदेव यादव, राम प्रज्वलित सिंह, बाबूराम सिंह, अवधनरायण सिंह, उमाशंकर मिश्र, महावल यादव, लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, राम प्रसाद, नियादिर अली, हीरालाल पाण्डेय, यदुनाथ सिंह, कवलदेई देवी, कालिका प्रसाद यादव, भगवान सिंह, उद्यव तिवारी, सत्यदेव सिंह को माला पहनाकर अंगवस्त्रम एवं कम्बल भेटकर सम्मानित किया गया। गवर्नमेन्ट पेशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र श्रीवास्तव, पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान, जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्र, सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह, पेंशनर्स संघ बेसिक शिक्षा परिषद, जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष, सत्यदेव सिंह, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उ0प्र0 जनपद शाखा जौनपुर के अध्यक्ष, सी0बी0 सिंह एवं जिला मंत्री राजबली यादव, पेंशनर्स संघ राज विद्युत परिषद के अध्यक्ष, बलिभद्र मिश्र सहित सभी पेंशनर्स को भी माला पहनाकर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा कोषागार जौनपुर से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरो के पेंशन वितरण, पेंशन पुनरीक्षण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना, 80 वर्ष की आयु से अधिक आयु पर देय अतिरिक्त पेंशनध्पारिविरक पेंशन आदि कार्यो पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुये कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। पेंशनर्स दिवस पर पेंशनरो की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं सुझाव के दृष्टिगत कार्यक्रम की सार्थकता के उदेद्श्य से पेंशनर संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा विचारध्उद्बोधन व्यक्त किये गये। इसमें अध्यक्ष, पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान उमाशंकर मिश्र, अध्यक्ष सेवानिवृत्ति कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन सी0बी0 सिंह एवं जिलामंत्री राजबली यादव, अध्यक्ष, राज्य विद्युत परिषद बलिभद्र मिश्र, जिलाध्यक्ष बेसिक शिक्षा परिषद सत्यदेव सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। सभी संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा कोषागार के कार्यो की प्रशंसा की गयी तथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान के सम्बन्ध में कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष स्तर पर होने वाले विलम्ब तथा मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर पर तकनीकी परीक्षण में होने वाले विलम्ब की स्थिति से अवगत कराते हुये नियमानुसार समयान्तर्गत निस्तारण कराये जाने का अनुरोध किया गया है। तद्क्रम में वरिष्ठ कोषाधिकारी जौनपुर द्वारा पेंशनरो की उचित मॉगोध सुझाव का समर्थन करते हुये कार्यालयाध्यक्ष स्तर पर तथा कोषागार स्तर पर भी होने वाली किसी भी समस्या के समाधान हेतु आश्वस्त किया गया। पेंशनर्स दिवस की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में पेंशनरो की उक्त समस्याओं का समाधान यथासम्भव स्समय कराये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। उनके द्वारा सभी कार्यालयाध्यक्षों से अपेक्षा की गयी कि वे अपने–अपने विभागों से सेवानिवृत्त वरिष्ठजनों को कार्यालय में आमंत्रित करें और उनके द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में अनुभवध मार्गदर्शन प्राप्त करें। पेंशनरों के पुनरीक्षण एवं प्रतिपूर्ति से सम्बन्धित देयको का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाय और कार्यालय में पेंशनर्स के उपस्थित होने पर उनका सम्मान किया जाय। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, जिला सूचना अधिकारी, जनपद के समस्त विभागों के कार्यालयाध्यक्षध्आहरण वितरण अधिकारियों सहित लगभग 250 पेंशनर्सध्पेंशनर्स प्रतिनिधि तथा कोषागार कार्यालय के दयाराम गुप्ता, मनोज कुमार यादव, जीशान हैदर, रवीन्द्र कुमार, रामभुवन, पवन कुमार, रमेशचन्द्र सरोज, विकास कुमार विश्वकर्मा, प्रतीक कुमार एवं सूरज कुमार आदि सभी कार्मिक उपस्थित रहें।

सीएम को डीएम के माध्यम से किसान समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भारतीय किसान अराजनैतिक की किसान समस्याओं को लेकर तहसील सदर की तिकुनिया पार्क में पंचायत लगाई गई। किसान पंचायत में सदर तहसीलदार विनोद कुमार चौधरी ने ज्ञापन लिया।एक हफ्ते में डीएम से किसानों की बात करने की बात कही। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने किया संचालन वरिष्ठ प्रदेश सचिव फरीद अहमद ने किया।इस मौके पर जिलाध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया कि माझा जमथरा के किसानों की जमीन 1984 से सर्वे बंदोबस्त नहीं हुआ 16 अप्रैल 2014 को अवैधानिक रूप खातेदारों की जमीन बिना नोटिस दिए नजूल घोषित कर दिया गया।कई रिट में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश पारित किया गया किंतु आज तक अवैध इंद्राज बने हुए हैं और किसान की जमीन पर जबरदस्ती फोर लेन परिक्रमा मार्ग सीता झील का क्रियावनन चालू कर दिया गया है।मांझा बरहटा मे आवास विकास परिषद व भूमि अध्यप्त द्वारा अधिग्रहण 1894 के कानून के तहत किया जा रहा है जो असमवैधानिक है एक्ट 2013 के तहत ही किसान की जमीन का अधिग्रहण होना चाहिए। जबकि प्रदेश सचिव फरीद अहमद ने कहा कि एक हफ्ते में जिला अधिकारी महोदय किसानों के साथ बैठक कर समस्या का निस्तारण नहीं कराया तो किसान यूनियन मजबूरन आंदोलन करेगा। पंचायत में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष राजमणि यादव , मोहम्मद इस्लाम, राजू बाबा, जेपी, किसान सुनील यादव, रोहित यादव, अजय यादव, राम सुरेश , गगन जायसवाल, सत्यनारायण यादव, सूरज यादव, महिला जिला अध्यक्ष सविता मौर्या, राजरानी, लक्ष्मी जनकलली, लीलावती , ज्ञान देवी और संगीता आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

महज कागजों पर ही सिमट कर रह गई ग्राम पंचायत समाधान दिवस

अयोध्या।विकास खंड तारुन मे विकास की गाड़ी पटरी पर आती नहीं दिख रही है।विभागीय अधिकारी आंकड़ों के खेल खेल रहे हैं।जिसकी चलते पंचायत समाधान दिवस कागजी कार्यवाही ही साबित हो रहा है।वही नोडल अधिकारी भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।जबकि ग्राम पंचायत में समस्याओं का अंबार लगा है।विकासखंड तारुन क्षेत्र के सोलह ग्राम पंचायतो में पंचायत समाधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को कुछ ग्राम पंचायत को छोड़कर शेष में नोडल अधिकारी भी नहीं उपस्थित रहे और जनता की समस्याओं का निस्तारण भी नहीं हो सका।ग्राम पंचायत जाना पर 10रू30 बजे ग्राम विकास अधिकारी विजय कुमार गुप्ता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र वर्मा व कृषि विभाग के अधिकारी दिखे।जन समस्याओं का अंबार लगा रहा।ग्राम पंचायत पूरब पट्टी में नोडल अधिकारी अमित सिंह, ग्राम विकास अधिकारी माता प्रसाद, पंचायत सहायक और रोजगार सेवक सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।परंतु ग्राम प्रधान नहीं रहे।ग्राम पंचायत सीहापुर में ग्राम प्रधान निर्मला यादव पत्नी राम प्रकाश यादव, ग्राम पंचायत सचिव अतुल वर्मा, पंचायत सहायक आरती यादव ने मिलकर समस्याओं का निस्तारण किया।वही बेला रामबाग में नोडल अधिकारी की अनुपस्थिति में ग्राम विकास अधिकारी संदीप कुमार ,सफाई कर्मी अजीत मिश्रा, रोजगार सेवक जयप्रकाश, पंचायत सहायक मनीष कुमार उपस्थित रहे।वही गोठौरा में ग्राम प्रधान देबी प्रसाद मौर्य ग्राम विकास अधिकारी व राजस्व कर्मी हरिओम उपस्थित रहे। परंतु नोडल अधिकारी नहीं पहुंच सके।ग्राम पंचायत में वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन ,प्रधानमंत्री आवास ,किसान सम्मन निधि आदि के पात्रों की समस्याओं का हाल नहीं हो पा रहा यहां तक बैठकों में ग्राम पंचायत सदस्य गण भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।जिसके चलते विभागीय अधिकारी आंकड़ों में विकास करने में जुटे हैं। किए गए कार्यों की जवाब देही भी नहीं समझते।

नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने किया एसटीपी प्लांट का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने काशीराम कालोनी के सामने संचालित एस0टी0पी0 प्लांट का निरीक्षण किया।बताते चले कि फीकल स्लज सेप्टिक मैनेजमेन्ट के अन्तर्गत लाइन स्टेबलाइजिंग यूनिट के विषयक भूमि चिन्हित किये जाने की कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने एस0टी0पी0 प्लांट के प्रवेश द्वार के बायीं ओर भूमि को चिन्हित कर उक्त भूमि पर लाइन स्टेबलाइजिंग यूनिट स्थापित किये जाने कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया।नगर आयुक्त ने एस0टी0पी0 प्लांट पर

को–ट्रीटमेन्ट प्लान्ट भी संचालित किये जाने हेतु निर्देशित किया।इसके अतिरिक्त सीवरज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट की प्रयोगशाला का निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि निगम सीमान्तर्गत दूषित जल के शोधन हेतु एस0टी0पी0 प्लांट संचालित है जहां पर दूषित जल के शोधन की कार्यवाही की जाती है।जिसका संचालन तोशिबा के द्वारा किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान, अपर नगर आयुक्त वागीश कुमार शुक्ला, महाप्रबन्धक जल, महेश चन्द आजाद, अधिशाषी अभियन्ता जलनिगम रोहित चौरसिया, सहायक अभियन्ता जल, जय कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

केला रेशा बन रहा महिलाओ के लिये रोजी रोटी : चंद्र भानु पासवान

अयोध्या। मंगलवार को अमानीगंज विकास खंड में नाबार्ड के सहयोग से ओंकार सेवा संस्थान द्वारा स्थापित केला प्रदर्शन इकाई पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन क्षेत्र के समाजसेवी चंद्र भानू पासवान के द्वारा किया गया।इस मौके पर चंद्र भानू ने कहा कि केला का रेशा आज महिलाओं के लिए रोजी रोटी का माध्यम बन रहा हैं।हिन्दू धर्म में लोग केला के पौधे की पूजा करते है तथा हिन्दुओं का कोई भी मांगलिक कार्यक्रम बिना केला के पौधे के संपन्न नहीं होता है ऐसे में केला हमारे लिए आर्थिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग बन गया है महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने कहा कि शीघ्र ही हम लोगों को अयोध्या में एक दुकान मिल रही है जिससे महिलाओं की आमदनी में इजाफा होगा।संस्था के द्वारा जनवरी माह में महिलाओं को आकर्षक और बिकने योग्य सामान बनाने का दस दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पादों को बिक्री के लिए देश के विभिन्न शहरों में भेजा जाएगा।कार्यक्रम को टेरी के राज्य सलाहकार डॉक्टर लोकेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए महिलाओं को टेरी के सहयोग से एक एक किलोवाट का सोलर इनवर्टर देने की बात कही।कार्यक्रम में आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के टेक्सटाइल साइंस एंड डिजाइन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर गरिमा सिंह ने महिलाओं को गांठ तकनीकी के प्रयोग से विभिन्न प्रकार के सजावटी समान बनाना सिखाया।प्रशिक्षण में डॉक्टर गरिमा

सिंह ने की रिंग , प्लांटर ,प्लांट हैंगर,मिरर शो केस के द्वारा महिलाओं को आकर्षक उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यक्रम में संगीता मौर्य,नीलम,गीता कौशल,गीता सिंह,पूजा कौशल सहित लगभग सौ से अधिक महिलाएं उपस्थित रही ।

जिला चिकित्सालय मे तैनात सुरक्षा कर्मियों की सेवा 20 दिसंबर के बाद हो जायेगी स्वतः समाप्त

संविदा पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने किया विरोध

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में आईटी वर्ल्ड सुल्तानपुर द्वारा जिला चिकित्सालय मे 29 सुरक्षा कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।मंगलवार को यहाँ पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने कहा कि हम लोगों को 20 दिसंबर तक ही कार्य करने की अनुमति मिली है।उसके बाद कंपनी द्वारा 20 दिसंबर के बाद हमारी सेवाएं स्वतरू समाप्त हो जाएगी।यहाँ पर तैनात सुरक्षा कर्मियों का मानना है जिसके चलते उनके परिवार के लोग व बच्चे सड़कों पर आ जाएंगे।बताते चले कि जिला चिकित्सालय के अलावा अन्य चिकित्सालयों के साथ–साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात इन सुरक्षा कर्मियों को कंपनी द्वारा नोटिस जारी किया गया था कि 10 दिसंबर तक उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएगी।जिसके बाद इनकी जगह पर पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से सुरक्षा कर्मियों की तैनाती जिला चिकित्सालय,जिला महिला चिकित्सालय के साथ साथ अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर की जाएगी।जिसको

लेकर जिला चिकित्सालय परिसर में तैनात आईटी वर्ल्ड सुल्तानपुर द्वारा कार्य कर रहे सभी सुरक्षा कर्मियों ने जहां एक ओर विरोध प्रदर्शन किया वहीं जिला अधिकारी को भी ज्ञापन पत्र सौपा था।इन लोगों के अनुसार कंपनी द्वारा 10 दिन का और इनके सेवाओं में विस्तार करते हुए 20 दिसंबर तक कार्य करने की अनुमति मिली।जिसके चलते 20 दिसंबर के बाद उनके सेवाएं स्वतः समाप्त हो जाएगी। जिसको लेकर मंगलवार को इन सुरक्षा कर्मियों ने विरोध जताया।विरोध करने वाले सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि हम सभी लोग चाहते है कि पूर्व सैनिक कल्याण निगम के कर्मियों को भी यहां पर तैनात किया जाए लेकिन हम लोगों से भी सेवाएं ली जाएं।इस संबंध में जिला चिकित्सालय के प्रबंधक राजेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि पूर्व सैनिक कल्याण निगम के कर्मचारियों के साथ–साथ यहां पर तैनात इन कर्मियों से भी काम लिया जाए। जिससे कि डेढ़ साल से काम कर रहे इन सुरक्षा कर्मियों की भी रोजी–रोटी चले।इस मौके पर सुरक्षा कर्मियों में पन्ना लाल यादव,सोनू सिंह,मनोज सिंह,संजय पांडे,बिंदु कुमारी,महेश तिवारी,रंजीत कुमार,आशुतोष गौड़ सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

स्टडी हॉल स्कूल कानपुर रोड में टेंडर पाम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने एक स्वस्थ सिविल का आयोजन किया।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल स्कूल कानपुर रोड में टेंडर पाम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने एक स्वस्थ सिविल का आयोजन किया। इसमें दांतों की जांच, आंखों की जांच बी.पी एंव ई. सी.जी का आयोजित किया था। अभिभावकों और बच्चों की अच्छी उपस्थित थी। चिकित्सक ने मुंह और दांतों को साफ व सेहतमंद रखकर रोगों को दूर रखना के बारे में अभिभावकों और बच्चों को बताया। चिकित्सा के द्वारा अभिभावकों को स्वस्थ रहने के कई सारे तरीके बताए गए। जिससे अभिभावकों को स्वस्थ रहने का ज्ञान प्राप्त हुआ।

सांसद निधि से कराए गए कामों का आरटीआई में हिसाब न देने पर ई ओ शाहाबाद पर जुर्माना

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

सूचना का अधिकार में समय से और सही जानकारी न दिए जाने पर राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने अधिशासी अधिकारी राम रतन अंबेश पर जुर्माना लगाया है।आयुक्त ने नगर पालिका परिषद, शाहाबाद के अधिशासी अधिकारी पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। आयुक्त ने जुर्माना के रुपये अधिशासी अधिकारी के वेतन से वसूल किए जाने की संस्तुति सहित जिले के अधिकारियों को पत्र भी भेजा है। नगर पालिका परिषद शाहाबाद की ओर से नगरीय क्षेत्र में विकास और अन्य कामों को कराए जाने के लिए हरदोई

लोकसभा क्षेत्र के सांसद जयप्रकाश ने साल 2019–2020 और 2020–2021 में सांसद निधि से करीब 18.12 लाख रुपये से अधिक दिए थे। सांसद निधि से मिले रुपये से कराए गए काम के संबंध में कस्बा पिहानी निवासी शफी खान ने सूचना का अधिकार में आवेदन देकर जानकारी मांगी थी। अधिशासी अधिकारी ने कोई जानकारी नहीं दी। जिस पर उन्होंने राज्य सूचना आयुक्त के यहां अपील की। आयुक्त की ओर से जारी नोटिस के बाद भी अधिशासी अधिकारी ने न तो जानकारी दी और न ही सूचना आयोग में उपस्थित हुए। जिस पर राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने अधिशासी अधिकारी पर जुर्माना लगाया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो की मौत

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर । लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के नरहर पुर के पास लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार की रात लगभग 8रू30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई एंबुलेंस की मदद से दोनों युवक के शव को लंभुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया कोतवाली प्रभारी अखंडदेव मिश्रा अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू किया अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है दोनों की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच में है पुलिस ने बताया कि दोनों बिहार के हैं यहां पर मजदूरी करते हैं परिजनों को सूचना दे दी गई है ।

डायट अयोध्या के डी एल एड के प्रशिक्षुओं को आकलन हेतु किया गया प्रशिक्षित

अयोध्या।सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या के सभागार में निपुण लक्ष्य एप की सहायता से परिषदीय विद्यालयों में डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किए जाने वाले आकलन के सम्बन्ध में कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में डा0 अम्बिकेश त्रिपाठी के द्वारा निपुण लक्ष्य एप की सहायता से कक्षा 1 के भाषा और गणित के आंकलन की विस्तृत जानकारी दी गई। मनीष रस्तोगी के द्वारा कक्षा 2 के बच्चों के

भाषा और गणित के आंकलन की चर्चा करते हुए सहज वातावरण में आंकलन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।इस मौके पर अमित कुमार मिश्र द्वारा निपुण लक्ष्य एप से आकलन में रीड एलांग एप की आवश्यकता की जानकारी दी गई।डायट प्रवक्ता राम चन्दर यादव एवं डायट प्रवक्ता पंकज पटेल द्वारा कक्षा 1 व 2 के अधिकतम 12–12 बच्चों के रेण्डम आंकलन की जानकारी दी गई।कार्यशाला में जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) एवं जिला समन्वयक (एम आई से)भी उपस्थित रहे।डायट अयोध्या के डी एल एड प्रशिक्षुओं के द्वारा सबसे पहले 17 से 20 दिसम्बर तक अम्बेडकर नगर जनपद के विद्यालयों का किया जाएगा और उसके बाद इन्हीं डायट अयोध्या के प्रशिक्षुओं द्वारा जनपद अयोध्या के विद्यालयों का आकलन निपुण लक्ष्य एप से किया जाएगा।

अभियुक्त को आजीवन कारावास व 60,000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई पुलिस द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन द्वारा प्रभावी पैरवी के क्रम में दिनाँक 17.12.2024 को माननीय न्यायालय ।क्श्र–15 जनपद हरदोई द्वारा धारा 307/376एबी भादवि0 व 5(उ)/6 पॉक्सो एक्ट में अभियुक्त को दण्डित किया गया, विवरण निम्नवत हैः–

कोतवाली शहर, जनपद हरदोई पर पंजीकृत मु0अ0सं0 412/2020 द्वारा 307/376 एबी भादवि0 व 5 (उ)ध्6 पॉक्सो एक्ट के आरोपी अभियुक्त अखिलेश पुत्र करुणा शंकर को आजीवन कारावास व 60,000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

पिता के प्यार भूल गया वो...प्रेमिका संग मिलकर किया बाप का कत्ल

लखनऊ ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोवार को पुलिस ने युवक की हत्या का खुलासा कर दिया। हकीकत सामने आई तो घरवालों सहित गांव के लोग भी सन्न रह गए। बेटा ही पिता का कातिल निकला। संपत्ति के लालच में प्रेमिका के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। घटना निगोहां थाना क्षेत्र के रामपुर गांव की है। गांव निवासी किसान रामू रावत की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रामू की हत्या उन्हीं के बेटे ने संपत्ति के लालच में प्रेमिका के साथ मिलकर की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट पहुंचाकर जलाकर मारने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने आरोपी बेटे धर्मेश और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने महिला से कहा था कि उसके हिस्से में ढ़ाई बीघा जमीन आएगी। धर्मेश ने महिला से विवाह का प्रस्ताव भी रखा था। इसके बाद पिता की हत्या की साजिश रची थी। उल्लेखनीय है कि निगोहां के रामपुर गांव निवासी किसान रामू रावत (44) बृहस्पतिवार शाम घर से खाना लेकर खेत की रखवाली करने के लिए गए थे।

विधानमंडल सत्र शुरू होने से पहले यूपी का प्रदर्शन

लखनऊ ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार से विधानमंडल का सत्र शुरू होना है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के विधायक और विधान परिषद सदस्य विधानसभा में एकत्र हुए। एक जुट होकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। फसलों की एमएसपी का वादा अधूरा, बेरोजगारी से युवा बर्बाद, पेपर लीक से नौजवान में बेहाल, पुलिस अत्याचार व अन्य मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की।

यूपी में शीतलहर पर कुछ दिन के लिए लगेगी लगाम

लखनऊ ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में चल रही शीतलहर पर फिलहाल कुछ दिन लगाम लगने वाली है। पूर्वा हवाओं के असर से पिछले 24 घंटे में राजधानी लखनऊ समेत यूपी के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक बढ़त देखने को मिली है। राजधानी लखनऊ में रविवार की रात न्यूनतम तापमान में लगभग दो डिग्री की बढ़त देखने को मिली और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया जबकि शनिवार की रात यहां न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री था। अयोध्या में भी एक डिग्री की बढ़त के साथ न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार की रात बलिया, चुर्क, अयोध्या, अमेठी और झांसी शीतलहर की चपेट में रहे। वहीं, घने कोहरे की वजह से सोमवार को कानपुर, अमेठी, बरेली, बहराइच आदि में दृश्यता 300 मीटर के आसपास तक सिमट गई। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार से पुरवाई जोर पकड़ेगी और तापमान में मामूली बढ़त के साथ प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अफगानिस्तान के आसपास एक नए विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ और केंद्रीय पाकिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सिस्टम के प्रभाव से बंगाल की खाड़ी की ओर से आ रही नमीयुक्त और अपेक्षाकृत गर्म पूर्वा हवाओं की वजह से तराई व पूर्वांचल समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़त देखने को मिलेगी साथ ही अगले दो से तीन दिनों के लिए शीतलहर से राहत मिलेगी।

कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के राष्ट्रीय अजय वर्मा जिला अध्यक्ष मनोनीत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश खरे जी ने जौनपुर हुसैनाबाद निवासी चित्रांश अजय वर्मा अज्जू जी जौनपुर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। विदित हो कि अजय वर्मा अज्जू जी राष्ट्रीय संगत पंगत संगठन, श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति जौनपुर के सक्रिय नेता हैं और विभिन्न सामाजिक संगठनो में जुड़े हैं। जिलाध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश खरे का आभार व्यक्त किया और कहा कि कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय में 6.34 लाख सदस्य भारत मे तथा 22 देशो में संस्था के प्रतिनिधि है! इसे और आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। अजय वर्मा अज्जू को कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय जौनपुर के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर राष्ट्रीय संगत पंगत के वरिष्ठ नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया, संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव कायस्थ महासभा राकेश श्रीवास्तव साधु, प्रदेश उपाध्यक्ष कायस्थ महासभा सुरेश अस्थाना, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष कायस्थ महासभा राकेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी, वी आर पी इंटर कालेज के प्रिंसिपल प्रमोद श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव वी आर पी, राजेश श्रीवास्तव पत्रकार,कायस्थ महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव महामंत्री श्यामलकांत श्रीवास्तव, प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव फूफा,राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार अनुपम श्रीवास्तव, कल्याण समिति के पूर्व महामंत्री गौरव श्रीवास्तव, कायस्थ एकता मंच के जिला अध्यक्ष दया शंकर निगम,संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, वरिष्ठ नेता विनय श्रीवास्तव, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव राजा ,अनिल श्रीवास्तव युवा जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव पत्रकार , भाजपा नेता मनीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता सन्तोष निगम, वरिष्ठ नेता राजेश किशोर श्रीवास्तव, भाजपा नेता अमित श्रीवास्तव भाजपा नेता अजीत श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव आतिश श्रीवास्तव आदि लोगों ने शुभकामनाएं बधाई दिया।

बेसिक शिक्षा मंत्री का फोन नहीं उठा रहे हैं खंड शिक्षा अधिकारी

लखनऊ ,(संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी अपने ही बेसिक शिक्षा मंत्री का फोन नहीं उठाते हैं। इस संबंध में नाराज मंत्री ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के आदेश जारी किया है। मंत्री की ओर से विभाग में पत्र पहुंचा तो विभागीय अधिकारी व कर्मचारी भी हैरान रह गए। राजधानी के नगर क्षेत्र में पिछले करीब पांच साल से खंड शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र शुक्ला तैनात हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बीएसए राम प्रवेश को पत्र भेजकर नाराजगी जाहिर की है। मंत्री का कहना है कि खंड शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र शुक्ला के कार्यालय व मोबाइल नंबर पर उन्होंने कई बार फोन किया लेकिन एक बार भी फोन नहीं उठाया। इसके बाद बीईओ की ओर से कोई जवाब भी नहीं दिया गया। मंत्री ने कहा कि बीईओ का रवैया ठीक नहीं है। उन्होंने बीईओ पर कार्रवाई का आदेश देते हुए बीएसए को अवगत कराने के लिए कहा है। वहीं इस संबंध में जब प्रमेंद्र शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मंत्री का फोन मेरे पास आने की मुझे कोई जानकारी नहीं है। उनका फोन किस नंबर से और कब आया, इसकी भी जानकारी नहीं है। प्रमेंद्र शुक्ला मौजूदा समय में खंड शिक्षा अधिकारी संघ के अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले उनका तबादला सीतापुर हुआ था लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश पर तबादला रुक गया था। कार्यालय के बाबुओं ने बताया कि वह बीएसए का भी फोन नहीं उठाते हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री का पत्र प्राप्त हुआ है। खंड शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

24 से 31 दिसंबर तक शराब की दुकानें बंद करने का समय बदला

लखनऊ ,(संवाददाता)। न्यू ईयर वीक के दौरान शराब की दुकानें रात में एक घंटा और देरी में बंद होंगी। नए आदेश के तहत 24 से 31 दिसंबर तक शराब की दुकानें सुबह 10 से रात 11 बजे तक खुली रहेंगी। आबकारी आयुक्त ने इस संबंध में सभी डीएम को निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश में बढ़ रही ठंड को देखते हुए शिक्षक संघ ने प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का समय बदलने की मांग की है। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा है कि कई स्कूलों में बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। कई बच्चों के अभिभावकों ने अभी तक गर्म कपड़े भी नहीं लिए हैं। इससे बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए प्रदेश में कक्षा 8 तक के सभी सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाए। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने देशभर के आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा नियमावली बनाए जाने व न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने आउटसोर्स कर्मियों को अर्ध कुशल, कुशल, डिप्लोमा तकनीकी व डिग्रीधारक चार श्रेणियों में बांटते हुए न्यूनतम मानदेय के निर्धारण का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने न्यूनतम मानदेय 20235 व 5400 के ग्रेड पे में रखे जाने वाले आउटसोर्स कर्मचारी के लिए 84500 न्यूनतम मानदेय का प्रस्ताव दिया है। परिषद की महामंत्री महामंत्री अरुणा शुक्ला ने बताया कि प्रस्ताव में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियमावली 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी करने तथा अर्ध कुशल, कुशल, कृषि, खनन, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मजदूरों को लाभान्वित करने का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही आउटसोर्स कर्मियों की चयन प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए चयन आयोग के गठन का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनवरी के पहले सप्ताह में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी, जिसे आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ वार्ता में आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। इस पर उन्होंने सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

रामकथा संग्रहालय से हटाए जाएंगे गुमनामी बाबा के सामान, उनके अनुयायी उन्हें मानते थे सुभाष चंद्र बोस

लखनऊ ,(संवाददाता)। रामकथा संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने का काम तेजी से चल रहा है। संस्कृति विभाग ने रामकथा संग्रहालय को राम मंदिर ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया है। ट्रस्ट संग्रहालय का सुंदरीकरण करा रहा है। इसी क्रम में रामकथा संग्रहालय में हाईकोर्ट के आदेश पर संरक्षित किए गए गुमनामी बाबा के 425 सामान को भी दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी हो रही है। प्रशासन इन सामानों को शिफ्ट करने के लिए उचित स्थान भी देख रहा है। गुमनामी बाबा की पहचान को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने वाले सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के अध्यक्ष शक्ति सिंह का कहना है कि राम मंदिर ट्रस्ट गुमनामी बाबा के सामानों की जिम्मेदारी उठाने से कतरा रहा है। उनके अनुसार ट्रस्ट का कहना है कि संग्रहालय का निर्माण रामकथा व रामलीला से जुड़ी वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए है, गुमनामी बाबा के सामानों की उनके लिए कोई उपयोगिता नहीं है। ऐसे में गुमनामी बाबा (जिन्हें उनके अनुयायी नेताजी सुभाष चंद्र बोस मानते थे) से जुड़े सारे सामानों की सुरक्षा कौन करेगा। में रखा जाए। इस आदेश के बाद डबल लॉकर से निकाले गए एक हजार से अधिक सामानों में से गुमनामी बाबा की 425 वस्तुओं को रामकथा संग्रहालय की दो गैलरी में डिस्प्ले के लिए रखा गया, लेकिन वह गैलरी आज तक आम लोगों के लिए नहीं खुली। शक्ति सिंह का कहना है कि रामकथा संग्रहालय में गुमनामी बाबा के सामान अब असुरक्षित हैं। उन्होंने डीएम व प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर दो सुरक्षा कर्मी व दो संस्कृति विभाग के कर्मियों को सामान की सुरक्षा के लिए लगाने की भी मांग उठाई है। उनका कहना है कि ट्रस्ट यदि उन्हें संरक्षित नहीं कर रहा है तो गुमनामी बाबा के सामानों को प्रशासन कहीं और संरक्षित करे। – रामकथा संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। आईआईटी चेन्नई के आर्किटेक्ट गैलरियों की पटकथा तैयार कर रहे हैं। एक गैलरी में मंदिर आंदोलन व सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जुड़े दस्तावेजों को सुरक्षित किया जाएगा। जबकि एक गैलरी में खोदाई के दौरान मिले अवशेष रखे जाएंगे। एक अन्य गैलरी में विभिन्न भाषाओं की रामायण व रामलीला सामग्री संरक्षित की जाएगी। जबकि सेवन डी तकनीक पर आधारित हनुमान जी पर एक फिल्म का प्रदर्शन एक अन्य गैलरी में किया जाएगा। सभी गैलरियों का निर्माण 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है। चूंकि रामकथा संग्रहालय का निर्माण रामकथा आधारित होगा। इसलिए हो सकता है प्रशासन गुमनामी बाबा के सामान कहीं अन्यत्र शिफ्ट करे, यह निर्णय प्रशासन को लेना है। हम फिलहाल अभी संग्रहालय के सुंदरीकरण का काम कर रहे हैं। अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल का कहना है कि रामकथा संग्रहालय के सुंदरीकरण का काम राममंदिर ट्रस्ट कर रहा है। निर्माण कार्यों के चलते गुमनामी बाबा के सामान शिफ्ट किए जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए साकेत सदन, तुलसी स्मारक भवन आदि स्थलों पर मंथन किया जा रहा है। सामानों की शिफ्टिंग सुरक्षित तरीके से की जाएगी।

समाज को बेहतर तरीके से चला सकती हैं महिलाएं

लखनऊ,(संवाददाता)। मशहूर फिल्म निर्देशक प्रकाश झा ने कहा कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र विकृत हो गया है। यह पूरी तरह से संख्या जुटाने पर केंद्रित होकर रह गया है। इसीलिए यह जाति–धर्म, आरक्षण और क्षेत्र जैसे मुद्दों के सहारे है। औरतें ही हैं जो समाज को बेहतर तरीके से चला सकती हैं। वे रविवार को गोमतीनगर के सीआईआई भवन में मेटाफर लखनऊ लिटफेस्ट के दूसरे व अंतिम दिन एक सत्र में बोल रहे थे। 'पॉलीटिकल फिल्म एंड देयर इवॉल्यूशन इन इंडियन सिनेमा' विषय पर हुए सत्र में विक्रम सिंह चौहान से बातचीत के दौरान प्रकाश झा ने कहा कि राजनीति के बिना कुछ भी नहीं है। कहा कि वे मूलरूप से कहानीकार हैं और कहानी पर ही फिल्में बनाते हैं। आरक्षण, जाति, समुदाय और बाकी सामाजिक मुद्दों को ध्यान में नहीं रखते हैं, यह बात अलग है कि उनकी कहानी में ये मुद्दे आ जाते हैं। उन्होंने खुद को स्थायी रूप से विपक्ष में रहने की बात कही। उनके मुताबिक, सत्ता और ताकत गलत करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आरक्षण सही लोगों को नहीं मिल पा रहा है। एक सवाल का जवाब में उन्होंने कहा कि सिनेमा किसी भी काल में सरकार के पक्ष या विपक्ष में नहीं रहता है। समानांतर सिनेमा का दौर समाप्त होने पर उनका कहना था कि आज लोग सोचना, समझना और विचार करना नहीं चाहते हैं। लोग पूर्वाग्रही हो गए हैं। समानांतर सिनेमा निडर था और उसे सच भाता था। आश्रम जैसी नामी वेब सिरीज बनाने वाले प्रकाश झा के मुताबिक, उनको फिल्में ही भाती हैं। ओटीटी से वे तंग आ चुके हैं। भले ही दोनों का लेखन एक तरह से शुरू होता हो, लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट 150 पन्नों में आ जाती है, वहीं वेब सिरीज के लिए चार–साढ़े चार सौ पन्ने भी कम पड़ते हैं। निर्माता–निर्देशक ने कहा कि मेरे पिता गांव के पहले ग्रेजुएट थे। पढ़ाई के लिए मैं दिल्ली विश्वविद्यालय गया, लेकिन ग्रेजुएशन नहीं कर पाया। ग्रेजुएशन करने की मेरी ख्वाहिश है। एक अन्य सत्र में फिल्म निर्देशक सुधीर मिश्रा ने स्क्रिप्ट राइटर अतुल तिवारी से बात करते हुए कहा कि पॉप सांग और सिनेमा जीवन का गलत फलसफा पेश करते हैं। जीवन इंद्रधनुष की तरह रंगीन नहीं होता है, जैसा कि हमारा सिनेमा आमतौर पर दिखाता है। इस लिहाज से हजारों ख्वाहिशें ऐसी, फिल्म जीवन के करीब थी। उसमें फिल्मी टच नहीं था। उन्होंने कहा कि फिल्म चमेली का निर्माण बेहद बुरे समय में हुआ। इसके लिए 15 दिन तक हम एक कमरे में बंद रहकर स्क्रिप्ट पर काम करते रहे। 28 दिन में शूटिंग, एक महीने में एडिटिंग और चार महीने में यह रिलीज भी हो गई। उन्होंने कहा कि निर्देशक को हमेशा एक अच्छे प्रोड्यूसर की जरूरत होती है ।

जाकिर के जाने से उदास हुई अवध की शाम लखनवी कथक व खानपान के मुरीद थे हुसैन साहब,अक्सर आया करते लखनऊ

लखनऊ ,(संवाददाता)। बात 17 जुलाई, 2016 की है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में श्शदरबार–ए–ताजश्श कार्यक्रम के लिए मंच सजा। सितार वादक नीलाद्रि कुमार के साथ संगत के लिए तबले पर जाकिर हुसैन साहब मौजूद थे। दर्शक रोमांच से भरे थे। दोनों धुरंधरों की अंगुलियां अपने वाद्ययंत्रों पर नाचीं तो सभागार तालियों से गूंज उठा। जाकिर साहब लखनऊवालों को अपना दीवाना बना चुके थे। उनके साथ सेल्फी लेने वालों की होड़ सी लग गई। रविवार को जाकिर हुसैन के निधन की खबर सुनकर समूचा अवध उदास हो गया। उन्होंने लखनऊवालों को बताया कि उनके पिता हमेशा कहते थे कि वाद्ययंत्र सरस्वती है। इसकी इज्जत करो। इसे खेल मत समझो। तबले के पास ऐसा कोई सामान न रखें, जिससे इसका अपमान हो। हर वाद्य में एक रूह है, एक आत्मा बसती है। अच्छा कलाकार बनने के लिए वाद्य की इज्जत करनी होगी। जैसे उस्ताद विलायत खान साहब से उनका सितार पूछता है कि आप हुक्म करिये कि मुझे क्या करना है। तभी उनके दिमाग में जो आता वह उनके सितार से निकलने लग जाता है। जाकिर साहब ने बताया कि वह ट्रेन की जनरल बोगी में सफर के दौरान जमीन पर बैठते थे और तबले को गोद में रखते थे। उनके इन अनुभवों पर लखनऊवालों की आंखें नम हो गई थीं। मशहूर पखावज वादक डॉ. राज खुशीराम बताते हैं कि जाकिर हुसैन साहब का लखनऊ आना–जाना लगा रहता था। डॉ. खुशीराम की पत्नी कपिला राज कथक नृत्यांगना व कथक केंद्र की निदेशक थीं। जब यह केंद्र कैसरबाग में हुआ करता था तो एक बार जाकिर हुसैन आए थे। वह लखनवी कथक को पसंद करते थे। उन्होंने कपिला राज को 11 रुपये रुमाल में रखकर दिए थे। संगीत नाटक अकादमी के पूर्व सचिव तरुण राज जाकिर का जिक्र करते हुए भावुक हो उठते हैं। बताते हैं कि वर्ष 1994 में निजी कंपनी के कार्यक्रम में जाकिर हुसैन साहब लखनऊ आए। तीन दिन का कार्यक्रम गन्ना संस्थान में हुआ था। उसकी एंकरिंग मैंने और तानपुरा पर अर्चना राज ने संगत की। उन्होंने स्टेज से कहा, तानपुरा कलाकार का नाम जरूर पुकारा जाए। यह उनका बड़प्पन था। उन्होंने अर्चना राज से कहा कि अपनी शादी में जरूर बुलाना। जब उन्हें यह पता लगा कि वह मेरी पत्नी हैं तो खिलखिलाकर हंस पड़े। वह देर तक हंसते रहे। उनकी हंसी आज भी जहन में ताजा है।

2000 के पुराने नोट हैं तो अभी भी बदल दिए जाएंगे, 10 दिन का समय लगेगा

लखनऊ ,(संवाददाता)। अगर अभी भी आपके पास 2000 का पुराना नोट है तो परेशान न हों आरबीआई अभी भी उनको बदल सकता है। विपिनखंड गोमती नगर स्थित आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय में 10 के नोट तक फौरन और इससे ज्यादा के नोटों को बदलवाने में 10 दिन का समय लगेगा। आरबीआई के दफ्तर के बाहर इन दिनों 2000 के पुराने नोटों को बदलवाने के लिए लंबी लाइन लग रही है। बता दें कि 2016 में नोटबंदी लागू होने पर भारत सरकार ने 500 और 1000 के नोट को चलन से बाहर करते हुए 2000 का नोट चालू किया था लेकिन 4 साल बाद मई 2020 में इसे चलन से बाहर करने का फैसला लिया और इनकी छपाई बंद हो गई। हालांकि अभी भी लोगों के पास 2000 के नोट बाकी हैं जिनको बदलवाने के लिए उन्हें लंबी जदोजहद करनी पड़ रही है। उन्हें नोट बदलवाने के लिए पूरा दिन लग जा रहा है। लिहाजा आसपास दलालों की भी सक्रियता है। रिजर्व बैंक के पीआरओ अरविंद सिंह का कहना है कि 10 नोट बदलवाने के लिए आधार कार्ड और फार्म जरूरी है जबकि इससे ज्यादा के लिए आधार और पैन कार्ड के साथ आवेदक का आना जरूरी है। पुराने नोट लेकर हम 10 दिन में संबंधित बैंक को पैसा ट्रांसफर कर देते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में सुनवाई टली

लखनऊ ,(संवाददाता)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में सोमवार को एमपीएमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई दो जनवरी को होगी। राहुल गांधी पर बंगलुरु में तत्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। सोमवार को परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र से जिरह होनी थी लेकिन पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तिथि नियत की गई है।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत.

लखनऊ ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में दुबग्गा के अंधे की चौकी स्थित बालाजी अस्पताल में सोमवार तड़के इलाज में डॉक्टरों की लापरवाही से मजदूर की मौत हो गई। मृतक के परिवारीजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। महिपतमऊ निवासी अयोध्या लोधी ने बताया कि भाई बब्लू मजदूरी करता था। बब्लू को शनिवार से बुखार आ रहा था, जिसके बाद बब्लू को कसमंडी रोड स्थित न्यू बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान सोमवार तड़के उसकी मौत हो गई। मरीज की मौत की सूचना पर परिवारीजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर ही शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन घंटे बाद आक्रोशित परिवारीजनों को समझाकर शांत कराया। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि परिवारीजनों से तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

अपने ही मंत्री का फोन नहीं उठा रहे खंड शिक्षा अधिकारी

लखनऊ,(संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी अपने ही बेसिक शिक्षा मंत्री का फोन नहीं उठाते हैं। इस संबंध में नाराज मंत्री ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के आदेश जारी किया है। मंत्री की ओर से विभाग में पत्र पहुंचा तो विभागीय अधिकारी व कर्मचारी भी हैरान रह गए। राजधानी के नगर क्षेत्र में पिछले करीब पांच साल से खंड शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र शुक्ला तैनात हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बीएसए राम प्रवेश को पत्र भेजकर नाराजगी जाहिर की है। मंत्री का कहना है कि खंड शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र शुक्ला के कार्यालय व मोबाइल नंबर पर उन्होंने कई बार फोन किया लेकिन एक बार भी फोन नहीं उठाया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।